

संक्षेप

जमीनी विवाद में
महिला को लाठी डंडों
से पीटा, मुकदमा दर्ज

मोहनलालगंज मोहनलालगंज ज के रंजीतखेड़ा गांव निवासी सुंदरा ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया जमीनी विवाद के चलते विवाही सुरज आये दिन मारपीट करते हैं, जबै बुद्धवार के सूरज ने उसके घर पर चढ़ाई कर लाती हैं डॉ से बीपी पिटाई कर घायल कर दिया पांडित ने बताया आरोपी सुरज ने जमीन नाम ना करते पर जान से मारने की धमकी भी दी है इंस्पेक्टर संताप कुमार आये ने बताया पीटियाँ की तहरीर के आधार पर आरोपी के विरुद्ध मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

**दोबारा जमीन बेचने
वाले चार जालसाजों
पर मुकदमा दर्ज**

मोहनलालगंज बिलिया जनपद के थाना खेजुरी के भरवलियां गांव निवासी दोपन यादव ने बताया मोहनलालगंज के खुजौली गांव में 2019 में विक्रीत सुखदीन, विनोद कुमार, राम किशोर व उनकी मां ? चन्द्रकली से कृषि योगी जमीन खरीदी थी, लिंकन जालसाजी व धोखाधड़ी करते हुये उसको बेची गयी जमीन की विनोद कुमार 2021 ने दोबारा क्रेट मोनू निवासी रामबकश खेड़ा मजरा पहरा थाना गोसाईंगंज के नाम राजस्टी कर दी, जानकारी होने पर पीडित दोपन यादव ने ये मामले की एसीपी ने उसने विनिरंतर प्रयासरत है बुद्धजनों की सेवा के अपने संस्करण को पूर्ण करने के क्रम में डॉ. राजेश्वर सिंह ने 4 अगस्त 2023 को मुख्यमंत्री योगी विद्वानों में रहने वाले बुद्धजनों, जिन्हें लखनऊ संक्रियत है। बुद्धजन हमारे समाज की अमलों के अनुरूप हैं, उनकी सेवा व सम्मान करने के लिए व्यापक विद्वानों ने उन्हें शासन की ओर से सकारात्मक आश्वसन प्राप्त हुआ है।

**दोबारा जमीन बेचने
वाले चार जालसाजों
पर मुकदमा दर्ज**

मोहनलालगंज पैरेंटेड कल इंस्टीट्यूट वायावरी के तत्वावधान में नवाया फाउण्डेशन द्वारा विकासित की क्षेत्र में नरिंग की भूमिकाद्वारा विषयक शैक्षिक दक्षता वृद्धि व्याख्यानामाला की प्रथम प्रस्तुति का आयोग किया गया। उक्त व्याख्यानामाला में वक्ता के रूप में डॉ प्रतिभा सचान ने अपने व्याख्यान में कहा कि प्रत्येक मरीज के स्वस्थ होने में एक नर्स का बहुत बड़ा योगदान होता है, बिना नर्स के विकात्पक भी अधूरा है। प्र० अरुल जोरी ने अपने व्याख्यान में नरिंग की महत्व प्रकाश दाला। डॉ. एनी चन्द्रा एस० ने अपने व्याख्यान में बताया कि नरिंग की दिशा में बच्चे अपना करियर किस प्रकाश बनाए। व्याख्यान के उपरान्त सभी वक्ताओं को सम्मान भी किया गया। एवं प्रतिभा सचान, निदेशक पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट, बायावरी, प्र० अरुल जोरी, उप प्रधानमान्त्री विनोद कुमार आये ने बताया पीडित की तहरीर के आधार पर आरोपी विनोद कुमार समेत चार आरोपियों के विरुद्ध धोखाधड़ी व जालसाजी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

डॉ राजेश्वर सिंह के प्रयासों से वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुद्धजनों को मिलेगी बहुत सी सुविधाएँ और संसाधन

बुद्धजन हमारे समाज की अमलों
विप्रसंत हैं, उनकी सेवा व
सम्मान करना हमारा दायित्वः
डॉ. राजेश्वर सिंह

अमन लेखनी समाचार



लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह समाज के बुद्धजनों की सेवा, सम्मान, सहायता करने के लिए व्यापक संक्रियत है। बुद्धाश्रमों में रहने वाले बुद्धजनों जिसमें उन्होंने बुद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं से संबंधित कई पहलुओं का उल्लेख किया गया था जिस पर उन्हें शासन की ओर से सकारात्मक आश्वसन प्राप्त हुआ है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने ऐसे व्यापक विधियों को निर्देश दिया गया था जिसके द्वारा प्राप्तिक व्यापक उपलब्ध होती है। बुद्धाश्रमों में बुद्धजनों की सुविधाएं सेवाओं का अन्य रखते हुए उन्होंने प्रत्येक बुद्धाश्रम पर एवं बुद्धजनों की सुविधा विधियों को निर्देश दिया गया है।

सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने ऐसे व्यापक विधियों को निर्देश दिया गया है।

जिसमें उन्होंने बुद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं के लिए व्यापक संक्रियत है। बुद्धाश्रमों में बुद्धजनों की सुविधाएं सेवाओं का अन्य रखते हुए उन्होंने प्रत्येक बुद्धाश्रम पर एवं बुद्धजनों की सुविधा विधियों को निर्देश दिया गया है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने ऐसे व्यापक विधियों को निर्देश दिया गया है।

जिसमें उन्होंने बुद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं के लिए व्यापक संक्रियत है। बुद्धाश्रमों में बुद्धजनों की सुविधाएं सेवाओं का अन्य रखते हुए उन्होंने प्रत्येक बुद्धाश्रम पर एवं बुद्धजनों की सुविधा विधियों को निर्देश दिया गया है।

जिसमें उन्होंने बुद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं के लिए व्यापक संक्रियत है। बुद्धाश्रमों में बुद्धजनों की सुविधाएं सेवाओं का अन्य रखते हुए उन्होंने प्रत्येक बुद्धाश्रम पर एवं बुद्धजनों की सुविधा विधियों को निर्देश दिया गया है।

जिसमें उन्होंने बुद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं के लिए व्यापक संक्रियत है। बुद्धाश्रमों में बुद्धजनों की सुविधाएं सेवाओं का अन्य रखते हुए उन्होंने प्रत्येक बुद्धाश्रम पर एवं बुद्धजनों की सुविधा विधियों को निर्देश दिया गया है।

जिसमें उन्होंने बुद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं के लिए व्यापक संक्रियत है। बुद्धाश्रमों में बुद्धजनों की सुविधाएं सेवाओं का अन्य रखते हुए उन्होंने प्रत्येक बुद्धाश्रम पर एवं बुद्धजनों की सुविधा विधियों को निर्देश दिया गया है।

जिसमें उन्होंने बुद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं के लिए व्यापक संक्रियत है। बुद्धाश्रमों में बुद्धजनों की सुविधाएं सेवाओं का अन्य रखते हुए उन्होंने प्रत्येक बुद्धाश्रम पर एवं बुद्धजनों की सुविधा विधियों को निर्देश दिया गया है।

जिसमें उन्होंने बुद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं के लिए व्यापक संक्रियत है। बुद्धाश्रमों में बुद्धजनों की सुविधाएं सेवाओं का अन्य रखते हुए उन्होंने प्रत्येक बुद्धाश्रम पर एवं बुद्धजनों की सुविधा विधियों को निर्देश दिया गया है।

जिसमें उन्होंने बुद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं के लिए व्यापक संक्रियत है। बुद्धाश्रमों में बुद्धजनों की सुविधाएं सेवाओं का अन्य रखते हुए उन्होंने प्रत्येक बुद्धाश्रम पर एवं बुद्धजनों की सुविधा विधियों को निर्देश दिया गया है।

जिसमें उन्होंने बुद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं के लिए व्यापक संक्रियत है। बुद्धाश्रमों में बुद्धजनों की सुविधाएं सेवाओं का अन्य रखते हुए उन्होंने प्रत्येक बुद्धाश्रम पर एवं बुद्धजनों की सुविधा विधियों को निर्देश दिया गया है।

जिसमें उन्होंने बुद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं के लिए व्यापक संक्रियत है। बुद्धाश्रमों में बुद्धजनों की सुविधाएं सेवाओं का अन्य रखते हुए उन्होंने प्रत्येक बुद्धाश्रम पर एवं बुद्धजनों की सुविधा विधियों को निर्देश दिया गया है।

जिसमें उन्होंने बुद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं के लिए व्यापक संक्रियत है। बुद्धाश्रमों में बुद्धजनों की सुविधाएं सेवाओं का अन्य रखते हुए उन्होंने प्रत्येक बुद्धाश्रम पर एवं बुद्धजनों की सुविधा विधियों को निर्देश दिया गया है।

जिसमें उन्होंने बुद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं के लिए व्यापक संक्रियत है। बुद्धाश्रमों में बुद्धजनों की सुविधाएं सेवाओं का अन्य रखते हुए उन्होंने प्रत्येक बुद्धाश्रम पर एवं बुद्धजनों की सुविधा विधियों को निर्देश दिया गया है।

जिसमें उन्होंने बुद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं के लिए व्यापक संक्रियत है। बुद्धाश्रमों में बुद्धजनों की सुविधाएं सेवाओं का अन्य रखते हुए उन्होंने प्रत्येक बुद्धाश्रम पर एवं बुद्धजनों की सुविधा विधियों को निर्देश दिया गया है।

जिसमें उन्होंने बुद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं के लिए व्यापक संक्रियत है। बुद्धाश्रमों में बुद्धजनों की सुविधाएं सेवाओं का अन्य रखते हुए उन्होंने प्रत्येक बुद्धाश्रम पर एवं बुद्धजनों की सुविधा विधियों को निर्देश दिया गया है।

जिसमें उन्होंने बुद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं के लिए व्यापक संक्रियत है। बुद्धाश्रमों में बुद्धजनों की सुविधाएं सेवाओं का अन्य रखते हुए उन्होंने प्रत्येक बुद्धाश्रम पर एवं बुद्धजनों की सुविधा विधियों को निर्देश दिया गया है।

जिसमें उन्होंने बुद्धजनों की समस्याएं तथा उनकी आवश्यकताओं के लिए व्यापक संक्रियत है। बुद्धाश्रमों में बुद्धजनों की सुविधाएं सेवाओं का अन्य रखते हुए उन्होंने प्रत्येक बुद्धाश्रम पर एवं बुद्धजनों की सुविधा विध

चिंतन

विपक्षी गठबंधन को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं लो

कसभा चुनाव 2024 में एनडीए और विशेषकर प्रधानमंत्री ने दें

मोदी को टक्कर देने के लिए बनाया गया 26 विपक्षी दलों का

गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इन्कॉर्पोरेटेड अलायंस) गठन के दिन से ही चर्चाओं में है। चौतरफा यही कायास लगाए जा रहे हैं कि क्या यह गठजोड़ लोकसभा चुनाव तक प्रभावी रह पाएगा या नहीं।

गठबंधन के सबसे बड़े परोक्ष कविहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार थे, लेकिन वे पीछे हट गए। केवल इतना ही नहीं सभी राजनीतिक दल अपने नेता को

गठबंधन का कोम्पनी की कायदाएँ में जुटे हैं। मुंबई मीटिंग के दैयेन जिस तरह

की पोस्टर जंग सामने आई उसने तो केवल आशकाओं को ही तरफ दिया। हाल ही में दिल्ली में हुई सीधीएम की बैठक के बाद पार्टी की तरफ से जो बयान जारी किया गया उसमें लिखा गया है कि 'इंडिया' गठबंधन में 'सभी सदस्य दलों के नेता सभी फैसले लेंगे, लेकिन ऐसा कोई संगठनात्मक ढांचा नहीं बनाना चाहिए जो ऐसे फैसलों के ग्रास में अवशोषक बने। इस बयान के बाद माना जा रहा है कि सीधीएम 'इंडिया' की मानव्य समिति का हिस्सा नहीं बनेगी। असल में सीधीएम की परेशानी पंगाल और केरल है। पंगाल में पार्टी कांग्रेस से तो हाथ मिला सकती है, लेकिन तृप्तपूल कांग्रेस के खिलाफ ही लड़ेगी। इसी तरह केरल में पार्टी कांग्रेस के खिलाफ मैदान में उत्तरोगी ही उत्तरोगी।

राज्य भवन के गठबंधन की रणनीति के अंदर भी अम

आदीपी पार्टी के साथ दिल्ली, पंजाब समेत कई राज्यों में सम्बन्ध बढ़ रहा है।

इसके अलावा भी अनेक मुद्दों पर भी गठबंधन के सदस्यों के बीच मतभेद हैं।

सनातन धर्म पर डीएसके के अध्यक्ष स्टाफिलन के बेंटे उत्तरिनिधि स्टाफिलन की

टिप्पणी की गठबंधन के कई सदस्यों ने निंदा की थी। उदयनीति के बयान ने नया

संकट खड़ा कर दिया। इसके बाद टीवी एंकरों के बहिष्कार करने के फैसले को

लेकर भी असहमति देखी गई। नीतीश कुमार ने इस फैसले से असहमति जताते

हुए कहा कि वो मीटिंग की स्विकृत का सम्पादन करते हैं। सौदांकन कम्पलेट पर

भी विपक्षी पार्टियों के गठबंधन में विधान सभा दिया देते हैं। गठबंधन के लिए

उत्तराखण्ड के सबसे बड़ा एंडेडा जारी जनानामा और अराकण होने तक रहे हैं।

मंडल की राजनीति करने वाली तमाम पार्टियां इसका सम्बन्ध कर रही हैं,

लेकिन ममता बनर्जी जाति जनगणना के पक्ष में नहीं है। इस मसले पर उनका

विरोध भी खुल कर सामने आ गया। इसके अलावा भी ममता बनर्जी और

नीतीश कुमार उन चंद विपक्षी मुख्यमंत्रियों में थे, जो जी-20 शिखर सम्मेलन

के द्वारा राष्ट्रपति की ओर से दिए गए राजनीतिक बांगला में सम्पादन करते हैं।

सौदांकन में दूसरी बांगला जारी जनानामा और अराकण होने तक रहे हैं।

मंडल की राजनीति करने वाली तमाम पार्टियां इसका सम्बन्ध कर रही हैं,

लेकिन ममता बनर्जी जाति जनगणना के पक्ष में नहीं है। इस मसले पर उनका

विरोध भी खुल कर सामने आ गया। इसके अलावा भी ममता बनर्जी और

नीतीश कुमार उन चंद विपक्षी मुख्यमंत्रियों में थे, जो जी-20 शिखर सम्मेलन

के द्वारा राष्ट्रपति की ओर से दिए गए राजनीतिक बांगला में सम्पादन करते हैं।

मंडल की राजनीति करने वाली तमाम पार्टियां इसका सम्बन्ध कर रही हैं,

लेकिन ममता बनर्जी जाति जनगणना के पक्ष में नहीं है। इस मसले पर उनका

विरोध भी खुल कर सामने आ गया। इसके अलावा भी ममता बनर्जी और

नीतीश कुमार उन चंद विपक्षी मुख्यमंत्रियों में थे, जो जी-20 शिखर सम्मेलन

के द्वारा राष्ट्रपति की ओर से दिए गए राजनीतिक बांगला में सम्पादन करते हैं।

मंडल की राजनीति करने वाली तमाम पार्टियां इसका सम्बन्ध कर रही हैं,

लेकिन ममता बनर्जी जाति जनगणना के पक्ष में नहीं है। इस मसले पर उनका

विरोध भी खुल कर सामने आ गया। इसके अलावा भी ममता बनर्जी और

नीतीश कुमार उन चंद विपक्षी मुख्यमंत्रियों में थे, जो जी-20 शिखर सम्मेलन

के द्वारा राष्ट्रपति की ओर से दिए गए राजनीतिक बांगला में सम्पादन करते हैं।

मंडल की राजनीति करने वाली तमाम पार्टियां इसका सम्बन्ध कर रही हैं,

लेकिन ममता बनर्जी जाति जनगणना के पक्ष में नहीं है। इस मसले पर उनका

विरोध भी खुल कर सामने आ गया। इसके अलावा भी ममता बनर्जी और

नीतीश कुमार उन चंद विपक्षी मुख्यमंत्रियों में थे, जो जी-20 शिखर सम्मेलन

के द्वारा राष्ट्रपति की ओर से दिए गए राजनीतिक बांगला में सम्पादन करते हैं।

मंडल की राजनीति करने वाली तमाम पार्टियां इसका सम्बन्ध कर रही हैं,

लेकिन ममता बनर्जी जाति जनगणना के पक्ष में नहीं है। इस मसले पर उनका

विरोध भी खुल कर सामने आ गया। इसके अलावा भी ममता बनर्जी और

नीतीश कुमार उन चंद विपक्षी मुख्यमंत्रियों में थे, जो जी-20 शिखर सम्मेलन

के द्वारा राष्ट्रपति की ओर से दिए गए राजनीतिक बांगला में सम्पादन करते हैं।

मंडल की राजनीति करने वाली तमाम पार्टियां इसका सम्बन्ध कर रही हैं,

लेकिन ममता बनर्जी जाति जनगणना के पक्ष में नहीं है। इस मसले पर उनका

विरोध भी खुल कर सामने आ गया। इसके अलावा भी ममता बनर्जी और

नीतीश कुमार उन चंद विपक्षी मुख्यमंत्रियों में थे, जो जी-20 शिखर सम्मेलन

के द्वारा राष्ट्रपति की ओर से दिए गए राजनीतिक बांगला में सम्पादन करते हैं।

मंडल की राजनीति करने वाली तमाम पार्टियां इसका सम्बन्ध कर रही हैं,

लेकिन ममता बनर्जी जाति जनगणना के पक्ष में नहीं है। इस मसले पर उनका

विरोध भी खुल कर सामने आ गया। इसके अलावा भी ममता बनर्जी और

नीतीश कुमार उन चंद विपक्षी मुख्यमंत्रियों में थे, जो जी-20 शिखर सम्मेलन

के द्वारा राष्ट्रपति की ओर से दिए गए राजनीतिक बांगला में सम्पादन करते हैं।

मंडल की राजनीति करने वाली तमाम पार्टियां इसका सम्बन्ध कर रही हैं,

लेकिन ममता बनर्जी जाति जनगणना के पक्ष में नहीं है। इस मसले पर उनका

विरोध भी खुल कर सामने आ गया। इसके अलावा भी ममता बनर्जी और

नीतीश कुमार उन चंद विपक्षी मुख्यमंत्रियों में थे, जो जी-20 शिखर सम्मेलन

के द्वारा राष्ट्रपति की ओर से दिए गए राजनीतिक बांगला में सम्पादन करते हैं।

मंडल की राजनीति करने वाली तमाम पार्टियां इसका सम्बन्ध कर रही हैं,

लेकिन ममता बनर्जी जाति जनगणना के पक्ष में नहीं है। इस मसले पर उनका

विरोध भी खुल कर सामने आ गया। इसके अलावा भी ममता बनर्जी और

नीतीश कुमार उन चंद विपक्षी मुख्यमंत्रियों में थे, जो जी-20 शिखर सम्मेलन

के द्वारा राष्ट्रपति की ओर से दिए गए राजनीतिक बांगला में सम्पादन करते हैं।

मंडल की राजनीति करने वाली तमाम पार्टियां इसका सम्बन्ध कर रही हैं,

लेकिन ममता बनर्जी जाति जनगणना के पक्ष में नहीं है। इस मसले पर उनका

विरोध भी खुल कर सामने आ गया। इसके अलावा भी ममता बनर्जी और

नीतीश कुमार उन चंद विपक्षी मुख्यमंत्रियों में थे, जो जी-20 शिखर सम्मेलन

के द्वारा राष्ट्रपति की ओर से दिए गए राजनीतिक बांगला में सम्पादन करते हैं।



अमेठी में संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस बहाली की मांग

बहराहव

एसएसबीने बरामद किया 195 लीटर अवैध नेपाली कच्ची शराब

अमन लेखनी समाचार



बहराहव। गुरुवार बीती गत को 42 वीं बांधीनी संप्राप्ति सेमा बल बहराहव-1 के सीमा बोर्डी शिवपुरा के द्वारा उप कमांडेट अंदाल कुमार यादव के निदेशन में 100 पुलिस व सीमा चौकी शिवपुरा के कामिकों द्वारा संयुक्त गश्त निकाली गई। गश्त के दौरान सीमा स्थान संख्या 654/01 के समीप 15 मीटर भारी वेष्ट के बीच द्वारा नेपाल से भारत की सीमा पर निरीक्षक अरुण कुमार, मुख्य आरक्षी बीर सिंह सैनी, आरक्षी भूषण विस्ट, साइकिल पर लदी पलास्टिक की भरी बोरी के साथ भारत की तरफ आए हुए देखा गया। अचानक गश्त दल को देखते ही दोनों सभावित अभियुक्त अपनी साइकिल पर लदी भरी बोरी को

उसी स्थान पर फेंक कर नेपाल की तरफ भागने लगे। गश्ती दल के द्वारा संभावित अधियुक्तों को पकड़ने का काफी प्रयास किया गया परंतु जब तक वे नेपाल में दाखिल हो गए, तो उन्होंने

पर गश्ती दल के द्वारा भरी बोरी को चेक किया गया जिसमें से कुल 195 पैकेट कच्ची नेपाली शराब और 2 साइकिल बरामद किया गया। बरामद कच्ची शराब 2 साइकिल को सभी शामिल रहे।

○स्टाफ-डॉक्टर आज से करेंगे

सत्याग्रह आंदोलन, अस्पताल में ही चलेगा धरना प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार



के बाद अमेठी प्रसाशन ने संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस को निलंबित कर दिया। अस्पताल के लाइसेंस निलंबित करने के बाद अस्पताल में तेतार 400 से अधिक कर्मचारियों के सामने रोजी रोटी का संकर खड़ा हो गया। अस्पताल के निलंबित लाइसेंस को बहाल करने की मांग को लेकर गश्ती दल में सत्याग्रह आंदोलन की गति रही।

ज्वाइंट फॉरम आफ डॉक्टर्स, पैरामेडिकल स्टाफ एवं कॉटेक्टर वर्कर्स आफ संजय गांधी अस्पताल के बैरन तले अस्पताल का पूरा स्टाफ आज से सत्याग्रह आंदोलन करते हुए धरने पर बैठे। दरअसल, एक सपाह पहले एक विविहा की मौत

बारावपात जश्न मिलाद उन नवी से पैगंबर मुहम्मद के लिए प्यार और सम्मान के लिए

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराहव। थाना के अंतर्गत लौखियनपुरा में संपर्क के डस्टेन से महिला की मृत्यु हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पंचायत कैसरगंज वार्ड नंबर 1 नौगंया लौखियनपुरतःतवा निवासी रामदेव पन्नी रामपाल उम्र 60 वर्ष विंते सोमवार को सुबह लगभग दस बजे खेत में घास काढने के लिए गई थी। जहां पर सप्त ने नेपाल को डस लिया। परिवार वालों को पता चलने पर महिला को सम्मुद्रायिक स्वास्थ्य के द्वारा कैसरगंज लाया गया। हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया गया। जहां पर बीते लगभग दो दिन बाद बहराहव के द्वारा निवासी रामदेव पन्नी रामपाल उम्र 60 वर्ष विंते सोमवार को सुबह लगभग दस बजे खेत में घास काढने के लिए गई थी। जहां से उसे हैलट रेफर कर दिया गया। जहां से उसकी मौत हो गई। अधेड़ खेती किसारी करता था। पति की मौत को लेकर पती गुरु और तीन बेटे तथा चार बेटियां रो-रोकर आहत हैं।

दुःखदः संपर्क के डसने से महिला की हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराहव। थाना के अंतर्गत लौखियनपुरा में संपर्क के डस्टेन से महिला की मृत्यु हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पंचायत कैसरगंज वार्ड नंबर 1 नौगंया लौखियनपुरतःतवा निवासी रामदेव पन्नी रामपाल उम्र 60 वर्ष विंते सोमवार को सुबह लगभग दस बजे खेत में घास काढने के लिए गई थी। जहां से उसे हैलट रेफर कर दिया गया। जहां पर बीते लगभग दो दिन बाद बहराहव के द्वारा निवासी रामदेव पन्नी रामपाल उम्र 60 वर्ष विंते सोमवार को सुबह लगभग दस बजे खेत में घास काढने के लिए गई थी। जहां से उसे हैलट रेफर कर दिया गया। जहां पर बीते लगभग दो दिन बाद बहराहव के द्वारा निवासी रामदेव पन्नी रामपाल उम्र 60 वर्ष विंते सोमवार को सुबह लगभग दस बजे खेत में घास काढने के लिए गई थी। जहां से उसे हैलट रेफर कर दिया गया। जहां से उसकी मौत हो गई। अधेड़ खेती किसारी करता था। पति की मौत को लेकर पती गुरु और तीन बेटे तथा चार बेटियां रो-रोकर आहत हैं।

अमेठी में मकान गिरने से युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

अयोध्या, अयोध्या कोतवाली पुलिस ने सूर्य कुंडले के डिटरिंग से 5 शतार्ह महिला गिरहाहव के गिरहाह को पकड़ा है। इनमें पास से दो पीली धातु की चेन और एक लाकेट बरामद हुआ है। यह गिरोह पुलिस की स्क्रिप्टिंग के कारण बहुत कुछ हाथ साफ नहीं कर पाया थाकुड़े गई सभी महिलाओं एवं ही एक ही परिवार की लालावा के लालावा बाराबंकी, गोड़ा, आजमगढ़, मज़ा, भूलांग और छिन्नी तरीनी सक्रिय थीं तरीन नगर चाँची की बोली में खिलाई गयी थीं एवं अन्य लालावा के साथ साथ जल्स में शामिल किया गया था। यह गिरोह पुलिस के कारण बहुत कुछ हाथ साफ नहीं कर पाया थाकुड़े गई सभी महिलाओं एवं ही एक ही परिवार की लालावा के लालावा बाराबंकी, गोड़ा, आजमगढ़, मज़ा, भूलांग और छिन्नी तरीनी सक्रिय थीं तरीन नगर चाँची की बोली में खिलाई गयी थीं एवं अन्य लालावा के साथ साथ जल्स में शामिल किया गया था। यह गिरोह पुलिस के कारण बहुत कुछ हाथ साफ नहीं कर पाया थाकुड़े गई सभी महिलाओं एवं ही एक ही परिवार की लालावा के लालावा बाराबंकी, गोड़ा, आजमगढ़, मज़ा, भूलांग और छिन्नी तरीनी सक्रिय थीं तरीन नगर चाँची की बोली में खिलाई गयी थीं एवं अन्य लालावा के साथ साथ जल्स में शामिल किया गया था। यह गिरोह पुलिस के कारण बहुत कुछ हाथ साफ नहीं कर पाया थाकुड़े गई सभी महिलाओं एवं ही एक ही परिवार की लालावा के लालावा बाराबंकी, गोड़ा, आजमगढ़, मज़ा, भूलांग और छिन्नी तरीनी सक्रिय थीं तरीन नगर चाँची की बोली में खिलाई गयी थीं एवं अन्य लालावा के साथ साथ जल्स में शामिल किया गया था। यह गिरोह पुलिस के कारण बहुत कुछ हाथ साफ नहीं कर पाया थाकुड़े गई सभी महिलाओं एवं ही एक ही परिवार की लालावा के लालावा बाराबंकी, गोड़ा, आजमगढ़, मज़ा, भूलांग और छिन्नी तरीनी सक्रिय थीं तरीन नगर चाँची की बोली में खिलाई गयी थीं एवं अन्य लालावा के साथ साथ जल्स में शामिल किया गया था। यह गिरोह पुलिस के कारण बहुत कुछ हाथ साफ नहीं कर पाया थाकुड़े गई सभी महिलाओं एवं ही एक ही परिवार की लालावा के लालावा बाराबंकी, गोड़ा, आजमगढ़, मज़ा, भूलांग और छिन्नी तरीनी सक्रिय थीं तरीन नगर चाँची की बोली में खिलाई गयी थीं एवं अन्य लालावा के साथ साथ जल्स में शामिल किया गया था। यह गिरोह पुलिस के कारण बहुत कुछ हाथ साफ नहीं कर पाया थाकुड़े गई सभी महिलाओं एवं ही एक ही परिवार की लालावा के लालावा बाराबंकी, गोड़ा, आजमगढ़, मज़ा, भूलांग और छिन्नी तरीनी सक्रिय थीं तरीन नगर चाँची की बोली में खिलाई गयी थीं एवं अन्य लालावा के साथ साथ जल्स में शामिल किया गया था। यह गिरोह पुलिस के कारण बहुत कुछ हाथ साफ नहीं कर पाया थाकुड़े गई सभी महिलाओं एवं ही एक ही परिवार की लालावा के लालावा बाराबंकी, गोड़ा, आजमगढ़, मज़ा, भूलांग और छिन्नी तरीनी सक्रिय थीं तरीन नगर चाँची की बोली में खिलाई गयी थीं एवं अन्य लालावा के साथ साथ जल्स में शामिल किया गया था। यह गिरोह पुलिस के कारण बहुत कुछ हाथ साफ नहीं कर पाया थाकुड़े गई सभी महिलाओं एवं ही एक ही परिवार की लालावा के लालावा बाराबंकी, गोड़ा, आजमगढ़, मज़ा, भूलांग और छिन्नी तरीनी सक्रिय थीं तरीन नगर चाँची की बोली में खिलाई गयी थीं एवं अन्य लालावा के साथ साथ जल्स में शामिल किया गया था। यह गिरोह पुलिस के कारण बहुत कुछ हाथ साफ नहीं कर पाया थाकुड़े गई सभी महिलाओं एवं ही एक ही परिवार की लालावा के लालावा बाराबंकी, गोड़ा, आजमगढ़, मज़ा, भूलांग और छिन्नी तरीनी सक्रिय थीं तरीन नगर चाँची की बोली में खिलाई गयी थीं एवं अन्य लालावा के साथ साथ जल्स में शामिल किया गया था। यह गिरोह पुलिस के कारण बहुत कुछ हाथ साफ नहीं कर पाया थाकुड़े गई सभी महिलाओं एवं ही एक ही परिवार की लालावा के लालावा बाराबंकी, गोड़ा, आजमगढ़, मज़ा, भूलांग और छिन्नी तरीनी सक्रिय थीं तरीन नगर चाँची की बोली में खिलाई गयी थीं एवं अन्य लालावा के साथ साथ जल्स में शामिल किया गया था। यह गिरोह पुलिस के कारण बहुत कुछ हाथ साफ नहीं कर पाया थाकुड़े गई सभी महिलाओं एवं ही एक ही परिवार की लालावा के लालावा बाराबंकी, गोड़ा, आजमगढ़, मज़ा, भूलांग और छिन्नी तरीनी सक्रिय थीं तरीन नगर चाँची की बोली में खिलाई गयी थीं एवं अन्य लालावा के साथ साथ जल्स में शामिल किया गया था। यह गिरोह पुलिस के कारण बहुत कुछ हाथ साफ नहीं कर पाया थाकुड़े गई सभी महिलाओं एवं ही एक ही परिवार की लालावा के लालावा बाराबंकी, गोड़ा, आजमगढ़, मज़ा, भूलांग और छिन्नी तरीनी सक्रिय थीं तरीन नगर चाँची की बोली में खिलाई गयी थीं एवं अन्य लालावा के साथ साथ जल्स में शामिल किया गया था। यह गिरोह पुलिस के कारण बहुत कुछ हाथ साफ नहीं कर पाया थाकुड़े गई सभी महिलाओं

रणबीर कपूर

के जन्मदिन पर फैस को मिला बड़ा तोहफा

R रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। फिल्म से जारी हो चुके अभिनेता के तुक ने फैस के उत्साह को पहले से ही बढ़ाया हुआ है। वहीं, अब आरके के जन्मदिन के खास अवसर पर इसका धमाकेदार टीजर जारी कर दिया गया है। टीजर से साफ हो रहा है कि मूर्छी में खूनी एक्शन, रोमांच और थ्रिलर तीनों देखने को मिलेगा। तुँड़ी में मकार के बाद एनिमल रणबीर की वर्ष की दूसरी रिलीज है, जिसका टीजर सिनेमाघरों में एक गहन अनुभव का बाद करता है। रणबीर कपूर ने निर्देशक सदीप रेडी वांग के साथ अपने पहले सहयोग को विद्वित करते हुए फिल्म को लाइमलाइट में ला दिया है। एनिमल में रणबीर कपूर के अलावा रशिमा

संबंध, अनिल कपूर और बॉबी दे ओल जै से

सितारे मुख्य भूमिकाओं में हैं। टीजर का देखकर साफ हो रहा है कि फिल्म में रणबीर, एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका में हैं जो जो अपने पिता द्वारा भावनात्मक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित होता है, लेकिन इससे डरता नहीं है।

टीजर में दिखाया गया है कि रणबीर का किरदार बड़ा होकर एक गैंगस्टर बनता है, और उसका सामना भगवान यानी बॉबी दे ओल से होता है। रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म एनिमल 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी।

फिल्म मूल रूप से अगस्त में रिलीज होने वाली थी। साथ ही इसकी टक्कर सनी दे ओल की गदर 2, अक्षय कुमार की एसएनी 2 और रजनीकांत की जेलर से होनी थी। हालांकि, निर्देशक सदीप रेडी वांग ने फिल्म को दिसंबर तक टालने का फैसला किया थायेंकि फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन अधूरा था। एनिमल प्री-टीजर जुलाई में जारी किया गया था, जिसमें रणबीर कपूर गुंडों की पिटाई करते नज़ारे आए थे। उन्हें खून से लथपथ देखा गया, जिससे संकेत मिलता है कि प्रशंसक उन्हें पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में देखेंगे। वहीं, फिल्म की देरी पर निर्देशक सदीप रेडी वांग ने पुरुषों तोड़ते हुए कहा था, हम 11 अगस्त को फिल्म रिलीज कर्यों नक्की का पा रहे हैं? इसका एकमात्र कारण युग्मता है। यह एक सामाय उत्तरकी तरह लग सकता है लेकिन तथ्य केवल युग्मता का है... उदाहरण के लिए, फिल्म में सात गाने हैं, जब सात गानों को पांच भाषाओं में गुण किया जाता है तो यह 35 गाने बन जाते हैं। 35 गाने, गीतकारों का अलग सेट, गायकों का अलग सेट, मैंने वास्तव में जो योजना बनाई थी उससे थोड़ा अधिक समय लाने वाला है।

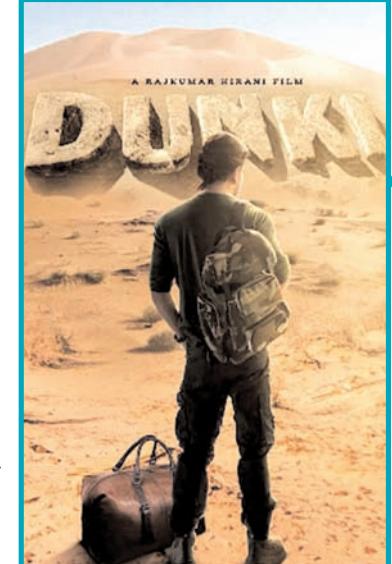
डंकी

बॉलीवुड

22 दिसंबर को होगी दिलीज

A भिनेता शाहरुख खान ने बताया कि उनकी फिल्म डंकी पूरी हो चुकी है और यह क्वार्ट मजेदार खान ने बूबर को एकस पर प्रशंसकों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान कई सवालों के जवाब दिए। इस दौरान प्रशंसकों ने निर्देशक राजकुमार रिहानी के साथ खान की पहली फिल्म डंकी के बारे में सवाल पूछे।

फिल्म के बारे में एक प्रशंसक के सवाल पर खान (57) ने लिखा, डंकी पूरी हो चुकी है और यह काफी अच्छी फिल्म है। डंकी में अभिनेता तापसी पन्नू ने भी अभिनय किया है। हिनानी, अभिजात जोशी और कनिका ढिल्लों की लिखी यह फिल्म 22 दिसंबर के रिलीज होगी। एक प्रशंसक ने खान से पूछा कि क्या डंकी में पठान और जवान की तरह एक नवाज सिंह की तरह लगता है कि उसने खानों को अलग सेट, गायकों का अलग सेट, मैंने वास्तव में जो योजना बनाई है। उससे थोड़ा अधिक समय लाने वाला है।



हिं

दी सिनेमा के रचनात्मक फिल्मकारों की सूची तो उसमें राजकुमार का नाम ऊपर लिखा है। वहीं ही फिल्मों की भव्यता के लिए शोमेन के तरीके पर भी जाना जाता है, लेकिन उनकी फिल्मों के बारे में सवाल पूछे।

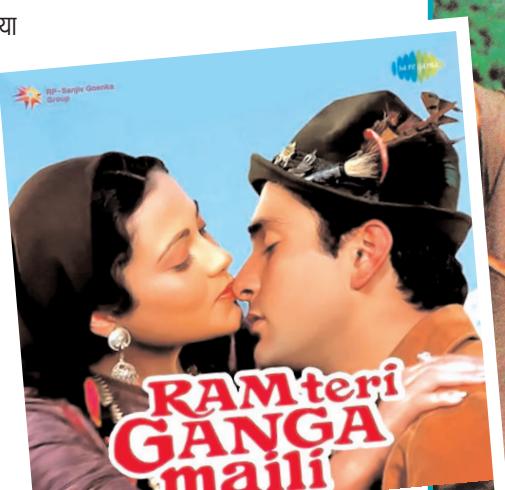
‘मेरा वाला गाना’ सुनते-सुनते राज कपूर ने बना लिया

‘राम तेरी गंगा मैली’ का आइडिया

गंगा बहती है के निर्माण के दौरान ही राज कपूर के मन में आ गया था। लेकिन इस धारणा को राज कपूर के बेटे रणबीर कपूर ने बिल्कुल उलट दिया। उहोंने राम तेरी गंगा मैली के आइडिया से जुड़ी जो कहानी सुनाई उससे राज कपूर का कला प्रेम और उभर कर सामने आया।

‘मेरा वाला गाना’

रणबीर कपूर ने बताया कि दिलीज के किसी कार्यक्रम में संगीतकार रवींद्र जैन ने एक गीत सुनाया। गीत के बाल थे एक राधा कमल मीरा, दोनों ने शयाम को चाहा, अंतर दवा दोनों की चाह में बोली पापा जी यानी राज साहब भी समरोह में गीत सुन रहे थे। उन्हें ये बहुत अच्छा लगा उन्होंने खबर तरीफ की और



दुबारा गीत सुनने की फरमाइश की। जैन साहब ने दुबारा सुनाया।

गीत सुन कर उहोंने कहा कि जैन साहब ये गीत अब मेरा हो गया। जैन साहब इस से बहुत खुश हुए कि कपूर साहब ने उनका गीत ले लिया। फिर उन्होंने आगे दिन रवींद्र जैन को भोजन पर घर बुला लिया। महफिल के दौरान ही फिर से कपूर साहब ने फरमाइश कर दी। जैन साहब, एक बार फिर से मेरा वाला गीत बच्चों को सुना दिजिए, रवींद्र जी एक बार फिर से गीत सुना दिजिए। रणबीर कपूर ने यहां ये भी जोड़ा पचास बार तो सुन चुका था। एक बार और सुना पड़ा।

रवीना टंडन

ने उत्तराय इंडस्ट्री के काले राज पर से पर्दा

M रस मस्त गर्व के नाम से मशहूर रवीना टंडन की खूबसूरती से लेकर फिल्में तक की जितनी तारीफ की जाए उन्हीं कम है। यह अभिनेत्री की काविलियत है, जो उनके दीवाने इंडस्ट्री से लेकर देश तक में खूब हैं। इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई रवीना टंडन ने हाल ही में इंडस्ट्री में अपने संबंध के दिनों को याद किया। अपनी अदाओं से सभी का धायल करने वाली अभिनेत्री ने यही खुलासा किया कि उनके साथ भी इंडस्ट्री में राजनीति हुई थी और उन्होंने भी खुलासा किया गया था। रवीना टंडन ने करिशमा कपूर को लेकर भी खुलास बात की है। एवंटराय रवीना टंडन द्वारा को से फिल्मों के साथ-साथ सात और वेब सीरीज में भी काम किया है। सभी उनके अभिनय की तारीफ करते नहीं थकते हैं, लेकिन आपको जानकर हैरानी होती कि रवीना को भी भेदभाव का सामना करना पड़ा है। यह बात हम नहीं कह रहे हैं बल्कि एक इंटरव्यू में खुलास बात की है। अपने करियर में उनके रवीना टंडन ने इसका खुलासा किया है। रवीना ने बताया कि इंडस्ट्री के लोगों ने उनके खिलाफ खूब राजनीति की थी। एक मीडिया संस्थान से बात करते हुए रवीना ने बताया कि वह कैसे उन भूमिकाओं से बूक गई, जो बाद में तबू और करिशमा कपूर जैसी अभिनेत्रियों को दी गई। उहोंने कहा, मैंने हायेशा हैल्डी कॉमीटिस विश्वास किया है वयोंकि इससे आपका बेस्ट टैलेंट बाहर आता है। लेकिन मैं कहूँ इंटरव्यू के बाद आता हूँ, कह सकता कि रवीना ने मुझे किसी प्रोजेक्ट से निकलवा दिया था रवीना ने किसी न्यूक्रम के साथ काम करने से मान कर दिया। मैंने कभी भी उस तरह की राजनीति और गुरुबाजी नहीं की, लेकिन दूसरों ने खुलासा मेरे खिलाफ राजनीति की है। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए रवीना टंडन ने कहा, मुझे डेविड धनवन और गोविंदा के साथ साजन चले सुसायल फिल्म के लिए फाइनल किया गया था और उहोंने मुझे यह बाद में बताया। मैंने विजयपथ भी साजन कर ली थी, लेकिन मुझसे फिल्म कूट हुई। बता दें, साजन चले सुसायल 1996 में रिलीज हुई थी और यह उस साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी। फिल्म में करिशमा कपूर और गोविंदा मुख्य भूमिका में थे। आपको बता दें, कुछ समय पहले यह खबर आई थी कि अदाज अपना-अपना की शूटिंग के दौरान भी राजनीति और रवीना के बीच अनबन थी। इस बारे में बात करते हुए रवीना टंडन ने एक इंटरव्यू में कहा था, देरिया, आप हर किसी के साथ दोस्ती नहीं कर सकते हैं, है ना? और आज, मुझे यह करते हुए खुशी हो रही है कि करिशमा और मैं तब बच्चे थे। कर्फ्फंट की बात करें तो रवीना को आखिरी बार वन फाइडे नाइट में देखा गया था।

स्टार भारत के शो सावधान इंडिया की मेजबानी करेंगे पंकज त्रिपाठी!

R टार भारत अपने प्रमुख शो सावधान इंडिया के बहुतीक्ष्ण नए सीजन को क्रिमिनल डिकोडे कई खतरनाक अपराधों से सतर्क और जागरूक करने के लिए चैनल पर अपनी सानसनीखेज दस्तक देता है। वहीं साल 2012 से ही सावधान इंडिया शो को होस्ट करने वाले एवंटराय सुशांत सिंह अब घर-घर में पहचान बन चुके हैं। इसलिए इस सीजन में भी शो की विसरासत का आगे बढ़ाते हुए वे इस शो को होस्ट करते नज़ारे आ रहे हैं।

वहीं मीडिया सूत्र के अनुसार खबर यह आ रही है कि सावधान इंडिया - क्रिमिनल डिकोडे के कुछ खास एपिसोड्स को होस्ट करने के लिए एक बैलॉक खास राजनीति की थी। एक मीडिया संस्थान से बात करते हुए रवीना ने बताया कि वह बैलॉक के बाद भी अपने अप्रैव लिए एक राजनीति को आपराधिक भूमिका से जुड़े एपिसोड को होस्ट करने के लिए आप्रैव किया गया है। इस सीजन में बैलॉक द्वारा विसरासत का आप